5. संस्कृतव्याकरणकौमुदी (1–4भाग)– पं0 ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

6. हायरसंस्कृतग्रामर–एम आर काले

7. बृहद् अनुवादचन्द्रिका – पं0 चक्रधर हंस नौटियाल

8. सिद्धान्तकौमुदी प्रथम भाग – पं0 बालकृष्ण व्यास

9. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन – वी0एस0 आप्टे, अनु0 उमेशचन्द्र पाण्डे

10. रचनानुवादकौमुदी – डा0 कपिलदेव द्विवेदी

बी.ए. प्रथम वर्ष प्राकृत साहित्य
2007–2008

अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।

ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।

द. बी. ए. प्रथम वर्ष प्राकृत साहित्य में 100–100 अकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्न पत्र होंगे।

खण्ड–अ

इस भाग में दस वस्तुनिष्ठ लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे।

10 अंक

खण्ड–ब

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होगे। जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंक का होगा। इन प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तक दिए जा सकते हैं।

50 अंक

खण्ड–स

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से बनाये जायेंगे, जिनमें से दो प्रश्नो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। 40 अंक

बी. ए. प्रथम वर्ष प्राकृत साहित्य
2007–2008

प्रथम प्रश्न पत्र
प्राकृत काव्य एवं व्याकरण

100 अंक

इकाई एक – प्राकृत महाकाव्य **20 अंक**

लीलावईकहा (कोऊहल) 1–50 गाथाएं सम्पा. – डॉ. ए. एन.उपाध्ये
(2 गाथा 10–10 अंकों की पूछना)

इकाई दो – प्राकृत कथाकाव्य **20 अंक**

1. णाणपंचमीकहा (महेश्वरसूरी) भविष्यदत्तकव्वं (गाथा 1 से 60) सम्पा. डॉ. राजाराम जैन में से (2 गाथा 10–10 अंकों की पूछना)

इकाई तीन – प्राकृत साहित्य20 अंक

प्राकृत काव्य साहित्य का संक्षिप्त परिचय तथा पठित ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न।

इकाई चार – प्राकृत व्याकरण **20 अंक**

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के सामान्य नियम एवं प्रयोग।

सन्दर्भ पुस्तक :– प्राकृत स्वयं शिक्षक खण्ड–1, (पाठ 1–60 तक)
सम्पा. डॉ. प्रेम सुमन जैन

परीक्षा में प्राकृत व्याकरण पर प्रश्न निम्न प्रकार विभाजन होगा।

(1) संज्ञा रूप एवं (2) सर्वनाम रूप 10 अंक

(3) क्रिया रूप एवं (4) कृदन्त रूप 10 अंक

इकाई पॉच – प्राकृत अनुवाद रचना **20 अंक**

(1) प्राकृत से हिन्दी एवं हिन्दी से प्राकृत में सभी विभक्तियों के सरल वाक्यों में अनुवाद एवं रचना करने का ज्ञान।
सन्दर्भ पुस्तक :– प्राकृत स्वयं शिक्षक खण्ड–1 (पाठ 23 से 63 तक)

(2) निर्धारित पाठों में से वाक्य देकर उनके हिन्दी एवं प्राकृत अनुवाद पूछना अपेक्षित है।

हिन्दी अनुवाद – 10 अंक
प्राकृत अनुवाद – 10 अंक

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीशचन्द जैन
2. भविस्सदत्तकव्वं – सं. डॉ. राजाराम जैन, आरा, 1985
3. प्राकृत मार्गोपदेशिका – पं. बेचरदास दोशी, दिल्ली
4. प्राकृत काव्यमंजरी – डॉ. प्रेम सुमन जैन, जयपुर 1982
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991